


---

# Arbudabhagavati Stotram

——  
अर्बुदाभगवतीस्तोत्रम्

——  
Document Information



---

Text title : arbudAbhagavatIstotram

File name : arbudAbhagavatIstotram.itx

Category : devii, devI

Location : doc\_devii

Author : The Samvat Master, Iswarananda Giriji, Mount Abu

Proofread by : Sunder Hattangadi sunderh at hotmail.com

Source : Shri Chitrapura Stuti Manjari, 3rd ed. 2008

Acknowledge-Permission: Shri Chitrapur Math - Publications Committee <https://chitrapurmath.net/>

Latest update : August 22, 2010

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 22, 2020

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Arbudabhagavati Stotram

---

### अर्बुदाभगवतीस्तोत्रम्

---



श्यामां दिनाद्यजनेरुण-पद्मरागां  
देवीं प्रदोषसमये च छिरण्यवर्णाम् ।  
संवित्प्रभां सकलमूर्तिषु निर्विकल्पां  
तामर्बुदां भगवतीं प्रणतोऽस्मि भक्त्या ॥ १ ॥

सौम्यां सदा हृदि सतां ललितस्वरुपां  
कूरां च दृष्टमनसां धृतधोरुपाम् ।  
शूलासिपात्र-हृषिपाशकरां पराम्भ्यां  
तामर्बुदां भगवतीं प्रणतोऽस्मि भक्त्या ॥ २ ॥

ब्रह्माटिपञ्च-समलङ्कृत-मञ्च-मध्यां  
ज्ञानक्रियाभलवतीं जनिताण्डकोटिम् ।  
कैवल्यधामङ्गल-धारण-कल्पवल्लीं  
तामर्बुदां भगवतीं प्रणतोऽस्मि भक्त्या ॥ ३ ॥

सिद्ध्यां वशिष्ठभृगुगौतम-सिद्धिदात्रीं  
नित्यायलेम्बर-निरीक्षणाय्यलाक्षीम् ।  
सिंहाधिऋद्धसुमुर्ध्नीं शशिभण्डमौलिं  
तामर्बुदां भगवतीं प्रणतोऽस्मि भक्त्या ॥ ४ ॥

वात्सल्यसारपरिपूर्णा-विशालनेत्रां  
योगीशसेवित-कुलामृतवृष्टिरुपाम् ।  
षट्पद्मकाननचरां प्रणव-द्विरेकं  
तामर्बुदां भगवतीं प्रणतोऽस्मि भक्त्या ॥ ५ ॥

श्रीमद् यतीन्द्र-परिभावित-ब्रह्मरुपां  
गुह्योपदेशकुशलां गिरिगर्भविष्टाम् ।  
श्रुत्यन्तगीतविभवां विरतिप्रदृष्टां  
तामर्बुदां भगवतीं प्रणतोऽस्मि भक्त्या ॥ ६ ॥

अर्बुदाभ्यां पदाम्भोजं यः स्मरेन्-नियमान्वितः ।


अनेन श्लोकषट्केन भवेद्देवीप्रसादभाग् ॥

एति श्रीश्वरनन्दगिरिविरचितं


अर्बुदाभगवतीस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Sunder Hattangadi sunderh at hotmail.com

---

——  
*Arbudabhagavati Stotram*

pdf was typeset on August 22, 2020

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

